(ग) पेट्रोल तथा गैस के क्षेत्र में देश कब तक आत्मनिर्भर हो जाएगा तथा सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी. शंकरानन्द) : (क) गत वर्ष 1990–91 के दौरान देश के विभिन्न स्थानों में तेल और गैस प्राप्त हुई है जिसमें राजस्थान के चार स्थान यथा खरतार, भकरीटिब्बा, बांकिया तथा दाण्देवाला शामिल हैं । राजस्थान के इन स्थानों में स्थान पर मौजूद 4.93 मिलियन टन के अनुमानित भण्डार है ।

(ख) फिलहाल तेल और गैस का अन्वेषण असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात, राजस्थान हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश बिहार , पश्चिमी बंगाल के राज्यों और भारत के पूर्वी तथा पश्चिमी समुद्री तट से दूर के क्षेत्रों में किया जा रहा है।

(ग) अब तक खोजे गये तेल और गैस के क्षेत्रों से उत्पादन बढ़ाने तथा नये क्षेत्रों में हाइड्रोकार्बनों की खोज करने के सभी प्रयास किये जा रहे हैं।

राजस्थान में गैस कनेक्शन

90. डा० अब्दरार अहमद :
श्रीमती सत्या बहिन :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्तमान में राजस्थान में गैस एजेंसियों की संख्या क्या है तथा वे कहां-कहां पर स्थित हैं तथा अभी तक प्रत्येक गैस एजेंसी द्वारा कितने-कितने गैस कनेक्शन जारी किये गये हैं, जिन लोगों ने गैस एजेंसियों के साथ अपने नाम पंजीकृत कराये हैं तथा जो प्रतीक्षासूची में हैं उनकी जिलावार संख्या कितनी है तथा उन्हें कब तक गैस कनेक्शन जारी कर दिये जायेंगे ;

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि किसी व्यक्ति को गैस कनेक्शन जारी हो जाने की स्थिति में गैस एजेंसी द्वारा उस पर उसी गैस एजेंसी से मंहगे दामों पर गैस का चूल्हा खरीदने के लिए दबाव डाला जाता है, यदि हां तो मंत्रालय द्वारा इस संबंध में क्या कार्यवाही की जा रही है; और

(ग) निकट भविष्य में राजस्थान में किन-किन स्थानों पर नई गैस एजेंसियों के खोले जाने की संभावना है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी. शंकरानन्द) (क) और (ग) सूचना एकत्र की जा रही है तथा राज्य सभा के पटल पर रख दी जाएगी ।

(ख) एल पी जी डीलरों के लिए निर्धारित विपणन अनुशासन दिशानिर्देशों में अन्य बातों के साथ-साथ एल पी जी स्टोव की जबरन बिक्री के मामले में तेल कंपनियों द्वारा दंडात्मक कार्रवाई किये जाने की व्यवस्था है ।

Private Sector participation in Power Generation

91. SHRI SHIV PRATAP MISHRA:
SHRI P. UPENDRA:

Will the Minister of POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES be pleased to state:

(a) whether Government propose to encourage private sector participation in power generation in the country; and

(b) if so, what are the details of the proposal?

THE MINISTER OF STATE (INDEPENDENT CHARGE) IN THE MINISTRY OF POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI KALP NATH RAI): (a) Yes, Sir.

(b) The Government have decided to encourage private sector participation in generation, supply and distribution of power as one of the means to bring in additionally of resources to the power sector and contribute towards greater availablity of power. The guidelines announced in this regard are- annexed here with.